PRACTICAL TRAINING-THE LEGAL FIELD WORK-2019

LL.B.-4TH SEMESTER CODE-K-4007

ALTERNATIVE DISPUTE RESOLUTION SYSTEM

अनुकल्पी विवाद निपटारा पद्धति

1-A.D.R SYSTEM वैकल्पिक विवाद निपटारा पद्धति

1. Development .meaning .objective and advantages of ADR system.

   वैकल्पिक विवाद निपटारा पद्धति का विकास, अर्थ उददेश्य तथा उसके लाभ।

2. Types of ADR system-Arbitration ,Negotiation, Mini Trial,Fast –Track Arbitration , Final offer Arbitration,Medola,Family , Settlements.

   वैकल्पिक विवाद–निपटारा पद्धति के तरीके– माध्यस्थम, वार्तालाप, लघु विचारण फास्ट ट्रैक माध्यस्थम,अन्तिम प्रस्ताव माध्यस्थम,मेड़ोला पारिवारिक समझौते।

2-LOK ADALATS-लोक अदालतः

1.Organization , Cognizance of Cases , Awards and Powers of Lok Adalats-

लोक अदालतो को संगठन, विवादो का संज्ञान लेना, पंचाट तथा शक्तियॉ।

2.Visiting the Lok Adalat. लोक अदालत का भ्रमण।

3–Arbitral Awards-माध्यस्थम् पंचाट

1. Domestic Award- घरेलू पंचाट– K.K.Modi V/S K.N Modi AIR 1998- S.C.1297
2. Foreign Awards-विदेशी पंचाट

M/S Koch Navigation V/S M/S Hindustan Petroleum Carp. Ltd.AIR 1989.S.C.2198

मैसर्स कोच नेविगेशन बनाम मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रलियम कार्पो0 लि0 ए0आई0आर0 1989 सु0 कोर्ट 2198

PRACTICAL TRAINING – THE SESSIONAL DIARY -2019

LL.B.-4TH SEMESTER- **CODE-K4007**

ARBITRATION AND CONCILIATION ACT-1996

माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम,1996

1-ARBITRATION –माध्यस्थम्

1.Definitions, Nature , Scope and importance of Arbitration.

परिभषाएं, प्रकृति,विस्तार तथा माध्यस्थम् का महत्व।

2.Arbitration Agreement. माध्यस्थम् करार

3.Composition of Arbitral Tribunal- माध्यस्थम् अधिकरण का गठन।

4.Jurisdiction of Arbitral Tribunal- माध्यस्थम् अधिकरण की अधिकारिता।

5.Conduct of Arbitral Proceedings- माध्यस्थम् कार्यवाहियों का संचालन।

6.Making of Arbitral Award and Termination of Proceedings.

माध्यस्थम् पंचाट का दिया जाना तथा कार्यवाहियों का समापन।

7.Appeal and Revision-अपील तथा पुनरीक्षण।

2-Foreign Awards-विदेशी पंचाट

1.New york convention Awards-न्यूयार्क अभिसमय पंचाट।

2.Geneva Convention Awards-जेनेवा अभिसमय पंचाट।

3-Conciliation-सुलह

1.Application and Scope – लागू होना तथा विस्तार

2.Commencement of Conciliation Proceedings-सुलह कार्यवाहियों का प्रारम्भ।

3.Appointment of Conciliators –सुलहकर्ताओं की नियुक्ति ।

4.Submission of statement to conciliator – सुलहर्ताओं के कथनों का दिया जाना।

5.Role of Conciliator – सुलहकर्ता की भूमिका।

6.Settlement Agreement –समझौता करार।

7.Termination of conciliation proceedings-सुलह कार्यवाहियों का समापन।

4-RULE MAKING POWERS-नियम बनाने की शक्तियाँ

1- High court –उच्च न्यायालय।
2-Central Government- केन्द्रीय सरकार।